ETHICS, INTEGRITY AND APTITUDE
नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिक्षमता

Class Test 8.4

Sheet No. ....

नाम (Name): ....

टॉपिक न॰ (Topic No.): 08 (Case Study)

पंजीयन संख्या (Reg. No.) : ....

तारीख (Date) : ....

इस हाशिये में कुछ न लिखें Don't write anything in margin

CASE STUDY-04

गंभीर प्राकृतिक आपदा से प्रभावित एक क्षेत्र में आप बचाव कार्य का नेतृत्व कर रहे हैं। हजारों लोग बेघर हो गए हैं और भोजन, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं से वंचित हो गए हैं। मूसलाधार वर्षा एवं आपूर्ति मार्गों के क्षतिग्रस्त होने से बचाव कार्य बाधित हो गया है। विलम्बित और सीमित राहत कार्य से स्थानीय लोग बहुत क्रोधित हैं। जब आपका दल प्रभावित क्षेत्र में पहुँचता है, तब लोग दल के कुछ सदस्यों पर हमला बोल देते हैं यहाँ तक कि उनकी पिटाई भी कर देते हैं। आपके दल का एक सदस्य गंभीर रूप से घायल भी हो जाता है। संकट की इस स्थिति में, दल के कुछ सदस्य अपने जीवन को खतरे के डर से आपसे आग्रह करते हैं कि बचाव कार्य रोक दिया जाए।

इन विषम परिस्थितियों में आपकी क्या अनुक्रिया होगी? एक लोक सेवक के उन गुणों का परीक्षण कीजिए जो ऐसी स्थिति को संभालने के लिए आवश्यक होंगे।

(उत्तर 250 शब्दों में दीजिए, IAS-2019, 20 अंक)

You are heading the rescue operations in an area affected by severe natural calamity, thousands of people are rendered homeless and deprived of food, drinking water and other basic amenities. Rescue work has been disrupted by heavy rainfall and damaged to supply routes. The local people are seething with anger against the delayed limited rescue operations. When your team reaches the affected area, the people there heckle and even assault some of the team members. One of your team member is even severely injured. Faced with this crisis some team member plead with you to call off the operations fearing threats to their life.

In such trying circumstances, what will be your response? Examine the qualities of a public servant which will be required to manage the situations.

(Answer in 250 words, IAS 2019, 20 Marks)

उत्तर :

उपर्युक्त विषम परिस्थिति में बचाव दल का नेतृत्वकर्त्ता होने के कारण संवेगात्मक बुद्धि का परिचय देते हुए मेरी अनुक्रिया निम्न प्रकार से होगी–

i. सबसे पहले मैं स्वयं को और बचाव दल के सदस्यों को अभिप्रेरित करूँगा एवं पर्याप्त सावधानी बरतते हुए अपने कर्त्तव्यों को दृढ़तापूर्वक सम्पादित करने हेतु तैयार करूंगा और स्वयं आगे बढ़कर राहत दल का नेतृत्व करूंगा।

ii. दल के सदस्य पर हुए हमले की जानकारी वरिष्ठ अधिकारी एवं नजदीकी थाना क्षेत्र को देंगे तथा घायल सदस्य के इलाज के लिए तत्काल उपाय करेंगे।

इस हाशिये में कुछ न लिखें
Don't write anything in margin

iii. उपस्थित प्रभावित लोगों को समझाने-बुझाने का प्रयास करूँगा और देर से सहायता दल के आने के कारणों को बताते हुए, राहत और बचाव कार्य में उनका भी सहयोग लेने के लिए संवेगात्मक अपील करूँगा।

iv. राहत दल पर आक्रमण करने वाले लोगों को सरकारी काम में बाधा डालने की शिकायत संबंधित विभाग के अधिकारी से करेंगे।

ऐसी स्थिति में लोक सेवक के निम्नलिखित गुणों की परीक्षा होगी-

1. *नेतृत्व क्षमता*- आगे बढ़कर राहत दल का नेतृत्व करना, अपनी कार्यप्रणाली और प्रेरणादायक वक्तव्यों के माध्यम से सदस्यों को बचाव कार्य हेतु प्रेरित करना।
2. *संवेगात्मक बुद्धि*- स्वयं एवं अन्यों के संवेगों यथा- क्रोध एवं भय को प्रबंधित करते हुए वांछित अनुक्रिया करना।
3. *अनुनय*- लोगों को समझा-बुझाकर शांत करना और उन्हें भी राहत दल के साथ जोड़ लेना।
4. धैर्य, साहस एवं दृढ़ता (Perseverance)- इस विषम परिस्थिति को संभालने के लिए लोक सेवक में इनका होना आवश्यक है।
5. *सत्यनिष्ठा*- अपने कर्त्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन
6. लोकसेवा के प्रति समर्पण तथा परानुभूति (दूसरों के दुख-दर्द को समझना और उसे महसूस करना), सहिष्णुता एवं करुणा का भाव
7. कर्त्तव्यपालन में निष्पक्षता

उक्त विषम परिस्थिति में गीता के लोकसंग्रह से प्रेरणा लेते हुए, मामले की गंभीरता को समझते हुए, समझदारी एवं संवदेनशीलता का परिचय देते हुए, लोगों की जान-माल की रक्षा का प्रयास करेंगे। ऐसा होने पर ही एक लोक सेवक की प्रासंगिकता एवं उसके कार्यों की मिसाल समाज में स्थापित होती है।

■■■■

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR